मनवा रे अब मान ले कहना भजन लिरिक्स

मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

तर्ज – चँदा रे मेरे भइया से।

ये जीवन पानी का रैला,
ये तन है माटी का ढैला,
चार दिनो का है ये मैला,
पल का नही है ठिकाना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

नाम हरि का मन तू भजले,
गुरूवाणी पे अमल तू करले,
घर ये किराए का है पगले,
इसमे सदा नही रहना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

गूरु चरणो मे ध्यान लगालै,
तेरे अँग सँग है नँगली वाले,
आज तू अपना भाग्य जगाले,
सोते ही न रहना,
काहे न भजन करे,
मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,
काहे न भजन करे हो।bd।

मनवा रे अब मान ले कहना,
दिन और बचे न,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काहे न भजन करे हो।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com